(c) whether Government have delayed the revival schemes; and

(d) if so, the facts and details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a), (c) and (d) As per the amended provisions of SICA, sick PSUs are referred to BIFR. BIFR, thereafter appoints Operating Agency for preparation of revival schemes. Thereafter, BIFR takes a final decision on its revival or other wise. Government has, however, conveyed its stand to BIFR in support of revival of some PSUs.

(b) Government is in agreement with Operating Agency's recommendations for revival of Braithwaite & Company Limited and this view has been communicated to BIFR. Final decision of BIFR is still awaited. BIFR is a quasi-judicial body.

उद्योगों के बारे में नायक समिति के प्रतिवेदन का कार्यान्वयन

1591. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में उद्योगों, विशेषत: लघु और छोटे उद्योगों की समस्याओं को हल करने के लिये सुझाव देने हेतु गठित नायक समिति की सिफारिशों को कार्यान्वित किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो दिसम्बर, 1994 के अन्त तक कौन-कौन सी सिफारिशें कार्यान्वित की गई हैं ;

(ग) ऐसी सिफारिशें कौन-कौन सी हैं जिन्हें सरकार ने स्वीकार तो किया है परन्तु अभी तक कार्यान्वित नहीं किया है ; और

(घ) सरकार को कौन-कौन सी सिफारिशें स्वीकार्य नहीं हैं और इसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त सूचना के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नायक समिति की लगभग सभी प्रमुख सिफारिशों को स्वीकार कर लिया गया है और बैंकों को आवश्यक हिदायतें जारी कर दी गई हैं ।

(ख) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

लघु उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि होना

1592. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में 1990-91 से 1993-94 तक की अवधि के दौरान लघु उद्योगों के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो क्रमश: वर्ष 1990-91 और 1993-94 के दौरान लघु उद्योगों द्वारा कितने कितने मूल्य का उत्पादन किया गया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस उत्पादन के किसी भाग का निर्यात किया गया है ;

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1990-91 और 1993-94 के दौरान कितने मूल्य के उत्पादों का निर्यात किया गया ; और

(ङ) क्या यह सच है कि उपर्युक्त अवधि के दौरान लघु उद्योगों में कार्य कर रहे लोगों की संख्या में भी वृद्धि की गयी है ; यदि हां, तो 1990-91 और 1993-94 के दौरान क्रमश: उनकी संख्या कितनी थी ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) जी, हां ।

(ख) लघु उद्योग विकास संगठन (सीडो) के कार्यक्षेत्र में आने वाले लघु उद्योगों में उत्पादन के ब्यौरे नीचे दिये गये हैं ।

वर्ष	वर्तमान मूल्यों पर उत्पादन (रुपये करोड़ों में)
1990-91	155340
1993-94	241648

(ग) जी, हां ।

(घ) सीडो के कार्यक्षेत्र में आने वाले लघु उद्योगों द्वारा किये गये निर्यात के ब्यौरे नीचे दिये गये हैं:-

वर्ष	लघु उद्योगों द्वारा किया गया निर्यात (रुपये करोड़ों में)
1990-91	9664
1993-94	24149(अ)

अ--अनंतिम

(ङ) जी, हां ।

सीडो के कार्यक्षेत्र में आने वाले लघु उद्योगों में नियोजित व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है:--

वर्ष	रोजगार (लाख संख्या)
1990-91	125 30
1993-94	139.38

बड़े और मध्यम उद्योगों में उत्पादन

1593. श्रीराम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1990-91 से 1993-94 तक देश में बड़े और मध्यम उद्योगों के उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990-91 और 1993-94 के दौरान उत्पादित उत्पादों का मूल्य क्या है ;

(ग) वर्ष 1990-91 और 1993-94 के दौरान इन उद्योगों द्वारा कितने मूल्य के उत्पादों का निर्यात और आयात किया गया है ; और

(घ) वर्ष 1990-91 और 1993-94 के दौरान इन उद्योगों में कितने व्यक्ति कार्यरत थे ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री : (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जी, हां । औद्योगिक उत्पादन के हाल ही के सूचकांक के अनुसार कुल औद्योगिक उत्पादन में 1990-91 में 8.3%, 1991-92 में 0.6%, 1992-93 में 2.3% और 1993-94 में 4.4% वृद्धि हुई । चालू वित्तीय वर्ष में औद्योगिक उत्पादन में अप्रैल-नवम्बर, 1994 में 8.7% तक वृद्धि हुई है ।

(ख) नवीनतम वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण, 1990-91 के अनुसार, 50 लाख रुपए से ज्यादा संयंत्र और मशीनरी के कुल मूल्य वाले कारखानों के समग्र उत्पादन का कुल मूल्य 212341 करोड़ रुपये था ।

(ग) निर्यात और आयात के कुल मूल्य संबंधी आंकड़े संलग्न विवरण में दिये गये हैं । (नीचे देखिये) बड़े और मझौले उद्योगों के लिये अलग से आंकड़े नहीं रखे जाते हैं ।